Hindi Short Stories PDF - Moral Stories in Hindi PDF

क्या आप खोज रहे है Hindi Short Stories का PDF जिसे आप अपने मोबाइल में स्टोर कर के रख सके. तो आप बिलकुल सही जगह में है. हमने इस पोस्ट में Moral Stories in Hindi की बहुत सारी कहानियां लिखी है.

जिसे आप अपने मोबाइल में बहुत ही आसानी से PDF के रूप में Download करके रख सकते है. इसके साथ ही हमने इस पोस्ट में सभी Stories को लिखा है. जिसे आप पढ़ भी सकते है.

यदि आपके घर में बच्चे है तो आपके लिए यह सभी Hindi Short Stories PDF बहुत ही महत्वपूर्ण होने वाली है. तो आइए अब देर न करते हुए पढ़ते है Hindi Short Stories PDF को.

Sleshar24.in

1# मूर्ख बकरियां की कहानी

एक बार एक काली बकरी और एक भूरी बकरी संकरे पुल पर बीचोंबीच मिलीं। दोनों एक दूसरे से तुम पीछे हटो- तुम पीछे हटो कहके एक-दूसरे पर हमला कर दिया । मूर्ख बकरियों का संतुलन बिगड़ा और वे नदी में गिरकर डूब गईं। कुछ देर बाद दूसरी दो बकरियाँ भी पुल से गुज़रीं । वे दोनों काफ़ी चतुर थीं। उनमें से एक नीचे बैठ गई और दूसरी उसके ऊपर से सुरक्षित दूसरी ओर चली गई ।

शिक्षा – क्रोध से हानी और शांत दिमाग से प्रसन्नता व सफलता प्राप्त होती है।

2# अँधा ज्योतिषी की कहानी

किसी समय एक प्रसिद्ध ज्योतिषी एक गाँव में रहा करता था । वह लोगों का भविष्य बताने के लिए सदैव ग्रहों की चाल को देखता रहता था। एक दिन हमेशा की भाँति वह सिर उठाकर आकाश को देखता हुआ चला, जिससे एक गहरी खाई में जा गिरा।

कुछ राहगिरों की सहायता से ही वह बाहर आ सका। उनमें से एक ने पूछा, तुम खाई में कैसे जा गिरे ? ज्योतिषी अपने बारे में बताया। एक राहगीर ने ताना मारा, यदि तुम इतनी बड़ी खाई को ही नहीं देख सके तो भविष्य को क्या खाक देखोगे....?

शिक्षा – पहले स्वयं को पहचानो, फिर दूसरों को जानो ।

3# बुद्धिमान जंगली सुअर की कहानी

एक दिन एक गीदड़ को एक जंगली सुअर अपने दाँतों को पेड़ के तने के साथ रगड़ना देखा । काफी देर सोचने के बाद भी गीदड़ की समझ में नहीं आया कि आखिर जंगली सुअर ऐसा क्यों कर रहा है ? गीदड़ के पूछने पर जंगली सुअर ने कहा– शिकारियों का सामना करने के लिए ।

गीदड़ ने कहा– अब आपको कोई खतरा दिखाई नहीं दे रहा है, फिर क्यों ऐसा कर रहे हो ? तब सुअर बताया– आग लगने के बाद कुआँ खोदना कहाँ की बुद्धिमानी होगी ? अगर कभी किसी शत्रु का सामना करना पड़ जाए? तब अपने दाँतों को पैना करने का समय कहाँ मिलेगा ।

शिक्षा : आनेवाले खतरों के प्रति सावधान रहें ।

4# मुर्ख कौआ की कहानी

एक भूखे कौए को कहीं से पनीर का एक टुकड़ा मिला। कौआ पेड़ की टहनी पर बैठकर अपनी भूख शांत करना चाहता था। तभी एक लोमड़ी पेड़ के नीचे

आयी । उसने कौए को पनीर के टुकड़े के साथ देख लिया था । लोमड़ी को देख कौए ने पनीर का टुकड़ा मज़बूती से चोंच में दबा लिया ।

लोमड़ी ने पनीर का टुकड़ा पाने के लिए कौए से कहा-" कौए भाई, तुम बहुत सुंदर हो, मुझे अपना गाना तो सुनाओ ।" प्रशंसा सुनकर कौआ कॉव-कॉंव करने लगा तो पनीर का टुकड़ा नीचे गिर गया। लोमड़ी पनीर का टुकड़ा लेकर वहाँ से भाग निकली। अब कौए की समझ में आ गया था कि लोमड़ी ने प्रशंसा करके उसे मूर्ख बनाया था ।

शिक्षा : किसी काम को करने से पहले आगा-पीछा विचार लें ।

5# चतुर सुक्खु की कहानी

सुक्खु नामक एक मज़दूर काम पूरा करके घर लौट रहा था । रास्ते में उसे मिठाई की दूकान दिखाई दी । सुक्खु के पास काफी पैसे नहीं थे। इसलिए वह सुगंध से ही संतुष्ट होकर लौटने लगा तो, मिठाई वाले ने पैसा पूछा- क्योंकि मिठाई की सुगंध लेना, खाने के समान है बताया।

तभी सुक्खु को एक तरकीब सूझी। वह अपनी जेब में रखे सिक्कों को खनकाने लगा । मिठाई वाले के फिर पूछने पर सक्खु ने जवाब दिया- " मैंने मिठाई की सुगंध ली, तुमने पैसों की खनक सुनी... हो गया हिसाब बराबर कहकर चला गया ।

शिक्षा : ज्यादा चतुराई हानिकारक होती है ।

6# दो बिल्लिया की कहानी

एक बार दो बिल्लियों को एक रोटी मिली। उनमें से एक बिल्ली ने झपटकर रोटी उठा ली - और दूसरे ने उसे छीनने का प्रयास किया। जब वे दोनों बहस कर रही थीं, तभी एक बंदर वहाँ से गुज़र रहा था । बिल्लियों ने बंदर से कहा कि वह उनका विवाद हल करे।

तब बंदर ने सहमति देकर रोटी के दो बराबर टुकड़े कर दिये। एक छोटा, दूसरा बड़ा कहकर उनमें से छोटा छोटा हिस्सा खा लिया। थोड़ी देर बाद रोटी के बहुत छोटे दो टुकड़े ही शेष रह गये । " इतने छोटे टुकड़े तुम्हारे किस काम के ?" ऐसा कहते हुए उसने दोनों टुकड़ों को भी खा लिया ।

शिक्षा : दो व्यक्तियों के झगड़े का फ़ायदा तीसरा उठाता है।

7# भेड़िया आया की कहानी

कालू नामक चरवाह बकरियाँ चराने के लिए जंगल में जाया करता था। वह बहुत शरारती था । एक दिन उसने झूठ ही चिल्लाना आरंभ कर दिया," भेड़िया आया ! बचाओ ! ! " खेतों में काम करने वाले किसान उसकी मदद के लिए दौड़ पड़े।

लेकिन वह सब मज़ाक समझकर कालू को डांटकर चले गये। उसी तरह दूसरी बार भी किया। किसानों ने चरवाहे को फटकारा और खेतों की ओर लौट गये। एक दिन भेड़िया सचमुच आ पहुँचा। सहायता के लिए चिल्लाने पर, किसानों ने समझा- वह मज़ाक कर रहा है । भेड़िये ने कई बकरियों को मार डाला । अब चरवाह अपनी भूल पर पछता रहा ।

शिक्षा : झूठे व्यक्ति की सच बात पर भी लोग विश्वास नहीं करते हैं।

8# गधा और कुत्ता की कहानी

Silchar24.in

एक गधा और एक कुत्ता रास्ते में चल रहे थे । उनमें मित्रता हो गई और वे साथ-साथ चलने लगे । उन दोनों को सड़क पर एक पत्र मिला । कुत्ते ने गधे से कहा- तुम पत्र पढ़ो । पत्र में गधे के खाने की चीजें लिखी थीं। कुत्ते ने गधे से पत्र पलटकर पढ़ने को कहा, क्योंकि उस तरफ अपने खाने चीजें होती हैं।

लेकिन उसमें कुत्ते की पसंद का कुछ नहीं लिखा। पत्र बेकर कहकर कुत्ते ने गधे से उस पत्र को फेंकने को कहा। तब गधे ने सोचा- पत्र में कुत्ते के काम का कुछ नहीं था, इसलिए पत्र बेकार हो गया ।

शिक्षा : स्वार्थपरता प्राणी के स्वभाव में होती है ।

9# शेर और चूहा की कहानी

गर्मी से बचने के लिए एक शेर घने वृक्ष की छाया में आराम कर रहा था । उस पेड़ के नीचे बिल में रहे एक चूहा, शेर की पीठ पर चढ़कर खेलने को चाहा। शेर की पीठ पर चढ़ा ही था कि शेर ने उसे पंजे में जकड़ लिया और मारने का तैयार हुआ

तब चूहे ने कहा- मैं भविष्य में तुम्हारे किसी काम आ सकूँ, अब मुझे छोड़ दो। शेर ने हस्ते हुए कहा की तू छोटा सा प्राणी में जंगल का राजा तू मेरी क्या मदद करेगा. लेकिन शेर ने दया करते हुए चूहे को छोड़ दिया। कुछ दिन के बाद शेर एक शिकारी के जाल में फँस गया। तब चूहे ने आकर जाल की रस्सियों को कुतर कर शेर को आज़ाद कर दिया ।

शिक्षा : किसी को छोटा व कमज़ोर न समझो ।

10# सच्चा मित्र की कहानी

एक कछुआ तालाब में रहता था। वहीं निकट एक लोमड़ी भी रहती थी। दोनों बड़े मित्र थे । एक दिन एक भूखा चीता कछुए को पकड़ लिया और खाने के लिए उसके खोल तोड़ने का प्रयास करने लगा। यह सब देखकर लोमड़ी अपनी

Sikhar24.in

मित्र को बचाने के लिए सोची। तुरंत एक उपाय सूझा। वह धीरे से चीते के पास जाकर कहा- पानी में फेंकने से कछुए का खोल नरम हो जागा, तब आप उसको आसानी से खा सकते हैं। चीता सच समझकर कछुए को पानी में फेंक दिया। कछुए का प्राण बच गया ।

शिक्षा : सच्चा मित्र वही है, जो समय पर काम आये ।

11# प्यासा कौआ की कहानी

एक प्यासा कौआ पानी की तलाश में यहाँ-वहाँ भटक रहा था। उसे एक मैदान में पानी का बरतन नज़र आयी । उसमें थोडा पनी है। पानी की सतह तक उसकी चोंच नहीं पहुँच पाई। अथक परिश्रम करने के बाद उसको एक उपाय सूझा । उसने एक-एक कंकर उठाकर पानी के बरतन में डाल दिया। कौए ने बरतन में इतने कंकर डाल दिए कि पानी ऊपर तक आ गया ।उसने अपने प्यास बुझाई और उड़ गया ।

शिक्षा : हमें सदैव दिमाग से काम लेना चाहिए ।

12# भेड़िया बना भेड़ की कहानी

एक बार एक भेड़िया शिकार की तलाश में गाँव के निकट पहुँचा । वहाँ एक भेड़ों का झुण्ड दिखाई पड़ा । इतने में भेड़िये को भेड़ की एक खाल दिखाई दी। खाल ओढ़कर भेड़िया, भेड़ों के झुण्ड में शामिल हो गया। शाम को चारवाह सभी भेड़ों को वापस ले जाकर बाड़े में बंद कर दिया ।

भेड़ों का मारना आसान समझकर भेड़िया मन-ही-मन बहुत खुश था। लेकिन चरवाह के पत्नी, घर आए मेहमानों के लिए एक मोटी भेड़ काट देने को कहा। पत्नी की बात से चारवाह भेड़ की खाल में लिपटे भेड़िये को मोटी समझकर कुल्हाड़ी से गरदन अलग कर दी ।

Sicharz4.in

शिक्षा : मक्कारों से सावधान रहें ।

13# दुष्ट हाथी की कहानी

किसी जंगल में एक दुष्ट हाथी रहता था। उसे गीदड़ों को मारने में बड़ा आनंद आता था ।हाथी के इस उत्पात से परेशान गीदड़ों ने एक सभा बुलाई। उसमें से एक वृद्ध गीदड़ ने अपनी योजना रखी जिसे सबने स्वीकार कर लिया।

योजना के अनुसार हाथी को अपना राजा चुना और उसको राजमकुट धारण करने आमंत्रित किये। राजा बनने के मोह में हाथी खुशी से झूम उठी और चल पड़े। रास्ते में एक दलदल था । योजनानुसार गीदड़ों ने पत्तियों से उस दलदले को ढंक दिया । मस्ती में डूबी हाथी दलदले में धंस गया और प्राण त्याग दिये ।

शिक्षा: बुरे का अंत बुरा ही होता है।

14# शेर और गधा की कहानी

एक ही जंगल में रहने वाले शेर और गधा आपस में गहरे मित्र थे। उन्हें देखकर जंगल के अन्य जानवर डर जाते थे । वास्तव में जंगल के जानवर शेर से डरते थे, लेकिन गधा सोचता था कि वह भी ताकतवर है । एक दिन उनके सामना भेड़ियों के झुंड से हो गया । गधा ढ़ेंचू...ढ़ेंचू करता उनकी ओर लपका, तब भेड़िया वहाँ से भाग निकला। गधे ने शेर से अपनी बहादुरी के बारे में बताया तो शेर ने कहा- " भेड़िये तुम्हारे रेंकने से नहीं मुझे देखकर भागे थे ।" और आगे बोला- अकेले कभी ऐसा करने का साहस मत करो। भेड़िये तुम्हें चीर कर रख देंगे ।

शिक्षा : दूसरों के बल पर किसी से शत्रुता न करें ।

Silchar24.in

15# खरगोश और कछुआ की कहानी

एक जंगल में अन्य जानवरों के साथ खरगोश और कछुआ भी रहते थे । खरगोश को अपनी फुर्ती पर गर्व है । वह हमेशा कछुए को सताता रहा था। एक दिन खरगोश ने कहा न तुम्हारे और मेरे बीच दौड़ हो जाए ! कछुआ कुछ सोचकर बोला- मुझे मंजूर है । लेकिन दौड़ उस ऊँची पहाड़ी तक होगी। तय समय पर दौड़ आरंभ हुई।

पलक झपकते ही खरगोश काफ़ी आगे निकल गया। कुछ दूर दौड़ने के बाद खरगोश ने आराम करना चाहा और गहरी नींद में डूब गया । धीरे-धीरे चलता कछुआ उससे आगे निकल गया और लगातार चलकर विजय रेखा पर पहुँच गया। जब खरगोश की नींद टूटी तो वह तेजी से दौड़ा। कछुआ विजयी पाना देखकर खरगोश का सिर शर्म से झुक गया ।

शिक्षा : घमंडी का सिर नीचा होता है।

16# चतुर नाई की कहानी

एक बार एक नाई जंगली जानवरों से भरे जंगल से गुज़र रहा था। अचानक उसके सामने एक शेर आकर खड़ा हो गया। लेकिन नाई ने हिम्मत नहीं हारी। नाई ने शेर से कहा मैं बहुत समय से तुम्हारी तलाश कर रहा हूँ, क्योंकि- मैं दो शेर पकड़ना चाहता था। एक मैंने पकड़ा और तुम दूसरे होओगे । ऐसा कहकर नाई ने शेर को एक आईना दिखाया | आईने में अपना मुख देख कर शेर घबराया और वहाँ से भाग गया । चतुर नाई ने अपनी जान बचा ली ।

शिक्षा : संकट में चतुराई से काम लेना चाहिए ।

17# स्वार्थी मित्र की कहानी

Sidhar24.in

राम और श्यामू नामक दो गहरे मित्र थे। एक बार दोनों को घने जंगल से होकर जाना पड़ा । रास्ते में अचानक उनके सामने एक जंगली भालू आ गया। मारे डर के रामू वहीं खड़ा रह गया और श्यामू जान बचाने के लिए दौड़कर पेड़ पर चढ़ गया। तभी रामू को याद आया कि भालू मरे आदमी को कुछ नहीं करता। वह शीघ्रता से जमीन पर लेट गया । भालू ने आकर उनके चेहरे के पास सूँघा और मृत समझकर चला गया। श्यामू ने पेड़ से उतर आकर रामू से पूछा- भालू तुम्हारे कान में क्या कह रहा था ? रामू ने कहा, "मुसीबत में काम आने वाला ही सच्चा मित्र होता है ।"

शिक्षा : स्वार्थी मित्रों से दूर रहो ।

18# पूँछ कटी लोमड़ी की कहानी

एक बार एक लोमड़ी की पूँछ शिकंजे में फँस गई। काफ़ी देर कोशिश करने के बाद वह उस शिकंजे से आजाद हो गई... लेकिन पूँछ कट गई। उसके साथी उसका मज़ाक बनाएँगे सोचकर सभी लोमड़ियों की पूँछ कटवाने का बैठक बुलाई। बैठक में पूँछ कटी लोमड़ी ने कहा- हमारी पूँछ बदसूरत और बेकार है, तुम सभी को मेरी तरह पूँछ कटवा देनी चाहिए। यह सुनकर एक लोमड़ी बोली, "यदि तुम्हारी पूँछ न कटी होती तो तुम ऐसी मूर्खता भरी सलाह नहीं देती ।"

शिक्षा : दूसरों को मूर्ख बनाने के चक्कर में खुद मूर्ख न बन जाएँ ।

19# सूरज का का विवाह की कहानी

गर्मी का दिन था । पृथ्वी पर अचानक लोगों ने खबर सुनी कि सूरज का जल्द ही विवाह होने वाला है। सारे लोग बहुत प्रसन्न हुए। मेंढक भी बहुत प्रसन्न हुए और पानी में उछल-कूद मचाने लगे। एक बूढ़ा मेंढक पानी के ऊपर आया और

Sitchar24.in

सारे मेंढकों को समझाने लगा कि यह प्रसन्नता की नहीं दुख की बात है, "मेरे साथियो !

तुम लोग इतने प्रसन्न क्यों हो रहे हो ? क्या यह वाकई खुशी मनाने की खबर है ? एक अकेला सूरज तो अपनी गर्मी से हमें झुलसा देता है। जरा सोचो, जब इस सूरज के दर्जन भर बच्चे हो जाएँगे तो हमारा क्या हाल होगा। हमारा कष्ट कई गुना बढ़ जाएगा और हम लोग जीवित नहीं रह पाएँगे।"

शिक्षा – हर चीज अच्छे के लिए नहीं होती, उसमे गम्बीर्ता से सोचना विचार करना चाहिए.

20# गाय और शेर की कहानी

Gai Aur Sher Ki Kahani: पांच गायें एक जंगल में रहती थी। वे एक बड़े से हरे घास के मैदान से ताजी ताजी घास खाती थी। वे बहुत अच्छी दोस्त थी। – वे एक साथ मिल-जुल रहती थीं। ताकि शेर उन पर हमला न कर पाए ।

एक दिन उन पाँचो गायों के बीच लड़ाई हो गई और सभी अलग-अलग जगहों से घास खाने लगीं। शेर ने सोचा इस मौके का फायदा उठाया जाये और शेर ने एक- एक करके सारी गायों को मार डाला।

सीख – एकता में ही ताकत होती है।

21# शरारती चूहा की कहानी

Chuha Ki Kahani: एक बहुत शरारती चूहा था। वह लोगों के घरों में जाकर बहुत उधम मचाता था। किसी के कपड़े कुतर जाता तो किसी का अनाज खा जाता। लोग उस चूहे से बहुत परेशान थे। एक दिन उस चूहे ने एक गरम तेल के

Sikhai24.in

बर्तन में अपना मुँह डाल दिया। उसका मुँह बुरी तरह से जल गया। चूहा दुम दबा कर भागा और कभी वापस नहीं आया।

सीख – ज्यादा शरारत करने पर नुकसान खुदका होता है.

22# मीना और नानी की कहानी

मीना गर्मी की छुट्टियों में अपनी नानी के गांव गई। नानी के गांव में चारों ओर बहुत हरियाली थी। गांव के पास में एक नदी भी थी। एक दिन मीना नानी के साथ गांव की सैर पर निकली। मीना ने गांव के हरे-भरे खेत देखे, नीम के पेड़ पर झूला झूला, बहुत सारे आम खाये। नदी में नाव से सैर भी की। मीना को नानी के गांव में बहुत मजा आया।

सीख – बड़े बुजुर्ग की बात माननी चाहिए, जीवन में खुसी मिलती है.

23# ओक का पेड़ और ऊँची घास की कहानी

अपठित गद्यांश पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों को हल करें। एक समय की बात है। एक ओक का पेड़ हमेशा घास के पौधों से कहा करता था कि वह उन घास के पौधों से कहीं अधिक मजबूत है। उसने घास के पौधों से कहा "मैं तूफान में भी सीधा खड़ा रहता हूं।

मैं हर बार हवा के झोंके के डर से अपना सिर नहीं झुकाता। लेकिन तुम घास के पौधों वाकई कितने कमजोर होते हो।" उसी रात तूफान आया और शक्तिशाली ओक का पेड़ उखड़ गया। घास के पौधों ने कहा "हे भगवान! " अच्छा हुआ आपने हमें ऐसा बनाया, क्योंकि हम झुकते हैं लेकिन हम टूटते नहीं हैं।

सीख – "कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए। "

Silchar24.in

24# चिड़िया और पोटली की कहानी

एक चिड़िया थी उसने एक पोटली बना ली और अच्छा या बुरा जो भी उसके साथ होता था वह एक छोटा सा पत्थर उस पोटली में डाल देती थी कुछ ही दिनों में उसकी पोटली बहुत भारी हो गयी जिस कारण वह चिड़िया उड़ नहीं पा रही थी। कुछ और दिन वीतने पर उसका चलना फिरना भी मुश्किल हो गया।

सीख – हम भी अगर पुरानी अप्रिय बातों को भूलकर भविष्य के पथ पर अग्रसर नहीं होंगे तो हम कभी वर्तमान का आंनद नहीं ले पाते है।

25# लालची मक्खियाँ की कहानी

रणवीर की राशन की दुकान थी। उसकी दुकान पर दालें, चावल, और आटे से लेकर नमकीन, बिस्कुट आदि सब कुछ मिलता था। ऐसी कोई चीज़ न होगी जो उसकी दुकान पर न मिलती हो । एक बार दुकान पर रखी शहद की बोतल उलट गई।

चारों ओर से कई मक्खियाँ उस बिखरे शहद पर टूट पढ़ीं। सब कुछ भूलकर वह शहद चाटने लगीं। वे शहद चाटने मैं इतनी मग्न हो गईं कि उन्हें पता ही नहीं चला कब उनके पैर शहद में चिपक गए। अब उनके लिए उड़ना मुश्किल हो गया। उन्हें अपने लालच पर पछतावा होने लगा। क) रणवीर की किस चीज़ की 'दुकान थी?

सीख – लालच बुरी बला है.

26# दो मुर्गे और एक बाज़ की कहानी

Silchar24.in

एक बार की बात है, दो मुर्गे एक पहाड़ी को लेकर लड़ रहे थे। वे दोनों अपनी पूरी ताकत से लड़ रहे थे, क्योंकि जो भी जीतेगा वह पहाड़ी का राजा बनेगा ।

अंत में एक मुर्गा जीत गया और दूसरा मुर्गा लड़ाई में गंभीर रूप से घायल हो गया और हार गया। जीतने वाले मुर्गा ने अपनी जीत की घोषणा करने के लिए एक ऊँची उड़ान भरी और तेज आवाज में चिल्ला कर सबको अपनी जीत के बारे में बताया।

इतने में एक बाज़ उड़ता हुआ आया और इस घमण्डी मुर्गे को देखा। उसने झपट्टा मारा और मुर्गे को पकड़ कर दूर ले गया। दूसरा मुर्गा जो हार गया था वह सब कुछ देख रहा था, वह जल्दी से बाहर आया और खुद को पहाड़ी का राजा घोषित कर दिया।

शिक्षा : जरुरत से ज्यादा घमंड सेहत के लिए खतरनाक होता है ।

27# लालची कुत्ता की कहानी

एक बार एक कुत्ते को बहुत जोर से भूख लगी थी। तभी उसे एक रोटी मिली । वह उस रोटी का पूरा आनंद लेना चहाता था । इसलिए वह उसे शान्ति में बैठकर खाने की इच्छा से रोटी को अपने मुंह में दबाकर नदी की ओर चल दिया ।

नदी पर से रोटी को एक छोटा पुल था। जब कुत्ता नदी पार कर रहा था, तभी उसे पानी में अपनी परछायी दिखाई दी । उसने अपनी परछायी को दूसरा कुत्ता समझा और उसकी रोटी छीनना चाहा ।

रोटी छीनने के लिए उसने भौंकते हुए नदी में छलाँग लगा दी। मुँह खोलते ही उसके मुँह की रोटी नदी के जल में गिरकर बह गयी और Lalchi Kutta भूखा ही रह गया । इसलिए कहा गया है कि हमें लालच नहीं करना चाहिये ।

Silchar24.in

28# धन की कहानी

एक आदमी ने गुरू नानक से पूछा: मैं इतना गरीब क्यों हूँ? गुरू नानक ने कहा: तुम गरीब हो क्योंकि तुमने देना नहीं सीखा... आदमी ने कहा : परन्तु मेरे पास तो देने के लिए कुछ भी नहीं है।

गुरू नानक ने कहा : तुम्हारा चेहरा, एक मुस्कान दे सकता है... तुम्हारा मुँह, किसी की प्रशंसा कर सकता है या दूसरों को सुकून पहुंचाने के लिए दो मीठे बोल बोल सकता है... तुम्हारे हाथ, किसी ज़रूरतमंद की सहायता कर सकते हैं...और तुम कहते हो तुम्हारे पास देने के लिए कुछ भी नहीं... ।।

शिक्षा : आत्मा की गरीबी ही वास्तविक गरीबी है... पाने का हक उसी को है.... जो देना जानता है।

29# सोच बदलो जिंदगी बदलो की कहानी

90% लोग इसलिए कामयाब नहीं होते, क्योंकि जब भी कोई ऑपरचुनिटी उनके पास आती है वे उसे "शक" की नज़र से देखते हैं।

10 % लोग इस लिए कामयाब होते हैं, क्योंकि जब भी कोई ऑपरचुनिटी उनके पास आती है वे उसे "मौके" की तरह देखते हैं।

30# एक फकीर की बहतरीन बात की कहानी

एक फ़कीर नदी के किनारे बैठा था किसी ने पूछा बाबा क्या कर रहे हो? फ़कीर ने कहा इंतज़ार कर रहा हूँ की पूरी नदी बह जाएं तो फिर पार करूँ। उस व्यक्ति ने कहा कैसी बात करते हो बाबा पूरा जल बहने के इंतज़ार मे तो तुम कभी नदी पार ही नही कर पाओगे.

फ़कीर ने कहा यही तो मै तुम लोगो को समझाना चाहता हूँ की तुम लोग जो सदा यह कहते रहते हो की एक बार जीवनकी ज़िम्मेदारियाँ पूरी हो जाये तो

Sidhar24.in

मौज करूँ, घूमूँ फिरू, सबसे मिलूँ, सेवा करूँ, जैसे नदी का जल खत्म नही होगा हमको इस जल से ही पार जाने का रास्ता बनाना है इस प्रकार जीवन खत्म हो जायेगा पर जीव के काम कभी खत्म नही होंगे.

31# मृत्यु टाले नहीं टलती की कहानी

भगवान विष्णु के गरुड़ की नजर एक चिड़िया पर पड़ी, उसी समय कैलाश पर यम देव पधारे और उन्होंने उस पक्षी को आश्चर्य से देखा। गरुड़ समझ गए उस चिड़िया का अंत निकट है, उनको दया आ गई और चिड़िया को अपने पंजों में दबा कर हजारो कोस दूर जंगल में छोड़ कर वापिस कैलाश आ गए।

यम देव कैलाश से बाहर आए तो गरुड़ ने पूछा कि उन्होंने चिड़िया को आश्चर्य से क्यों देखा था तो यम देव बोले, जब मैंने चिड़िया को देखा तो ज्ञात हुआ कि उसे कुछ ही पल बाद यहाँ से हजारों कोस दूर एक नाग खा लेगा, मैं सोच रहा था वो इतनी जलदी इतनी दूर कैसे जाएगी पर अब जब वो यहाँ नहीं है तो निश्चित ही वो मर चुकी होगी।

गरुड़ समझ गये मृत्यु टाले नहीं टलती चाहे कितनी चतुराई की जाए।

32# धनवान और निर्धन की कहानी

एक निर्धन व्यक्ति था, वह सरसो के तेल का दीपक जलाकर नित्य गली में रख देता था। चूँकि गली अँधेरी थी इसलिए वहाँ से गुजरने वाले राहगीरों को बहुत लाभ मिलता था। निकट रहने वाला एक धनवान व्यक्ति प्रतिदिन भगवान के मंदिर में एक घी का दीपक जलाया करता था।

मृत्यु होने पर जब दोनो यमलोक पहुँचे तो धनपति को निम्न श्रेणी और निर्धन को उच्च श्रेणी की सुविधा प्रदान की गयी, धनपति को यमराज का यह न्याय ठीक नहीं लगा और उन्होंने यमराज से इस संदर्भ में प्रश्न किया तो यमराज बोले-

Silchar24.in

"पुण्य की महत्ता धन से नहीं कार्य के उपयोगिता सन्निहित भावना के आधार पर होती है, मंदिर तो पहले से ही प्रकाशित था। उस व्यक्ति ने ऐसे स्थान पर प्रकाश फैलाया, जिससे हजारों जरूरतमंदों तक प्रकाश पहुँचा इसी से वह ज्यादा पुण्य का अधिकारी बना.

33# मजबूरियों फायदा की कहानी

एक गरीब, एक सिक्ख से बोला, सरदार जी मेरी 2 एकड़ जमीन रख लो, 50 हजार रुपये में। सिक्ख ने श्री गुरु नानक देव जी का ध्यान किया और 5 मिनट सोच कर बोला, नहीं, मैं उसकी कीमत 2 लाख रुपये

दूँगा। गरीब बोला के मैं तो 50 हजार मांग रहा हूँ, आप 2 लाख क्यों देना चाहते हैं? सिक्ख बोला, तुम जमीन क्यों बेच रहे हो? गरीब बोला, बेटी की शादी करना है इसीलिए मज़बूरी में बेचना है पर आप 2 लाख क्यों दे रहे हैं?

सिक्ख बोला, मुझे जमीन खरीदनी है, किसी की मजबूरी नहीं अगर आपकी जमीन की कीमत मुझे मालूम है तो मुझे आपकी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना, मेरा वाहेगुरू कभी खुश नहीं होगा ऐसी जमीन या कोई भी साधन, जो किसी की मजबूरियों को देख के खरीदा जाये वो जिंदगी में सुख नहीं देता, आने वाली पीढ़ी मिट जाती है.

सिक्ख ने कहा, तुम खुशी खुशी, अपनी बेटी की शादी की तैयारी करो, 50 हजार की व्यवस्था हम गांव वाले मिलकर कर लेंगे, तेरी जमीन भी तेरी ही रहेगी, मेरे गुरु नानक देव जी ने भी यही हुक्म दिया है। गरीब हाथ जोड़कर नीर भरी आँखों के साथ दुआयें देता चला गया, संगत जी, यही है गुरु के सिख की निशानी, मदद करो पर किसी का फायदा ना उठाओ, ऐसे परमार्थ में भी तरक्की होती है.

Silchar24.in

34# झूठा ना छोड़ना की कहानी

बर्तन से पूरी तरह पोंछ कर खाना खाने वाले एक बालक के दोस्त उसका रोज मज़ाक उड़ाते थे।

एक ने उस बालक से पूछा- "तुम रोजाना बर्तन में एक कण भी क्यों नही छोड़ते? बालक बोला इसके 3 कारण है। यह मेरे पिता के प्रति आदर है, जो इस भोजन को मेहनत से कमाए रूपयों से खरीद कर लाते हैं।

ये मेरी माँ के प्रति आदर है जो सुबह जल्दी उठकर बड़े चाव से इसे पकाती हैं। यह आदर मेरे देश के उन किसानो के प्रति है, जो खेतो में भूखे रहकर कड़ी मेहनत से इसे पैदा करते हैं। इसलिए थाली में झूठा छोड़ना अपनी शान ना समझें।

सीख: खाना खाओ मनभर - ना छोडो कणभर उतना ही ले थाली में... व्यर्थ ना जाए... नाली में

35# बाप-बेटा की कहानी

बेटा अपने बूढ़े बाप को अनाथ आश्रम छोड़ कर वापस आ रहा था, तो उसकी बीवी ने फोन किया और कहा, 'अपने बाप को यह भी कह दो कि त्योहार पर भी घर आने की आवश्यकता नहीं, अब वहीं रहें और हमें शांति से जीने दें।'

बेटा वापस मुड़ा और अनाथ आश्रम गया, तो देखा कि उसका बाप आश्रम के मैनेजर के साथ खुश, गप्पों में व्यस्त हैं और वह यूँ बैठे हैं जैसे बरसों से एक-दूसरे को जानते हों।

बेटे ने पूछा, 'सर, आप मेरे पिता को किस तरह और कब से जानते हैं ?' उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'जब ये अनाथालय से एक बच्चे को गोद लेने आए थे!'

Silchar24.in

36# दिल छू लेने वाली एक कहानी की कहानी

एक 80 वर्षीय बुजुर्ग के दिल का ऑपरेशन हुआ! बिल आया 8 लाख रुपया, बिल देखने के बाद, बुजुर्ग की आंखों में आंसू आ गए। यह देखकर डॉक्टर ने कहा। आप रोइए मत मैं इसे कम कर देता हूं।

बुजुर्ग ने कहा यह बिल तो बहुत कम है, अगर 10 लाख भी होता तो भी मैं देने में समर्थ हूं। आंसू तो इसलिए आए कि जिस प्रभु ने इस दिल को 80 वर्ष तक संभाला।

उसने कोई बिल नहीं भेजा, आपने केवल इसे 3 घंटे संभाला। 8 लाख रुपये वाह रे मेरे प्रभु आप कितना ध्यान रखते थे हमारा।

37# माँ की कहानी

एक दिन दो मित्र काफी अरसे बाद एक दूसरे से मिले, एक मित्र ने दूसरे से सहज ही पूछ लिया "माँ कैसी है ?"

कुछ पल चुप रहने के बाद दूसरा मित्र बोला " अच्छी है, दो वर्ष से वृद्धाश्रम में है। आज उसका जन्मदिन है मिलकर आया हूँ ।" फिर उसने पहले मित्र से पूछा "तुम्हारी

माँ तुम्हारे साथ ही रहती है ?" तब उसने दिल को छू देने वाली बात कही.. उसने कहा" मैं अभी इतना बड़ा नहीं हुआ कि अपनी माँ को रख सकूँ, मैं ही माँ के पास रहता हूँ जन्म से " !!

38. कानी हिरणी की कहानी

एक हिरणी की एक आँख में किसी शिकारी का तीर लग गया। उसे अब एक ही आँख से दिखाई देता था। पर वह दुखी नही हुई किसी भी खतरे से बचने के लिए वह ऊँची पहाड़ी पर चरा करती थी।

एक बार नाव पर सवार होकर समुद्र की ओर से शिकारी आए। हिरणी आवाज से चौकन्नी हो गई। उसने सिर घुमाकर चारों ओर देखा। नाव से निशाना साधते शिकारी को

39# चौकीदार की कहानी

एक कंपनी के मैनेजर राहुल को अपने कंपनी के लिए चौकीदार चाहिए था। उसके लिए उन्होंने ने इश्तेहार निकाला। बहुत लोग इंटरव्यू देने आये लेकिन मैनेजर को कोई भी पसंद नहीं आ रहा था। आखिर में राजू नाम का एक व्यक्ति बैठा था जो इंटरव्यू के लिए बैठा था

राहुल ने राजू से पूछा "आप थके हुए लग रहे है ? कोई बीमारी है क्या ?" राजू ने जबाब दिया : नहीं साहब, ऐसी कोई बिमारी नहीं है, लेकिन नींद नहीं आने की बिमारी है। " राहुल ने तुरंत उसको रात के चौकदारी के लिए रख लिया क्यूंकि वह चाह के भी सो नहीं सकता.

कहानी से सीख : अपनी असलियत नहीं छुपाना चाहिए

40# गाजर का हलवा की कहानी

खरगोश, बिल्ली एवं चींटी तीन मित्र थे। तीनों ने एक दिन सोचा कि चलो कुछ बनाया जाए। जिसको जो पसंद हो वह सामान ले आए। चींटी बोली- "मैं चीनी लाऊँगी।" बिल्ली बोली- “मैं दूध ले आऊँगी।" खरगोश बोला- "मैं गाजर ले आऊँगा।"

Slclhar24.in

तीनों अपना-अपना सामान ले आए। सबने मिलकर एक पेड़ के नीचे आग जलाई। खरगोश दौड़कर एक बड़ी कढ़ाही उठा लाया। उन्होंने कढ़ाही में दूध, चीनी व गाजर को खूब पकाया। कुछ लाल-लाल बन गया।

तीनों मिलकर उसे खाने बैठ गए। खरगोश बोला- वाह! यह तो गाजर से भी बढ़िया है। बिल्ली बोली - वाह ! यह तो दूध से भी बढ़िया है। चींटी बोली- वाह! यह तो चीनी से भी बढ़िया है।

बिल्ली बोली- "पर यह है क्या?" खरगोश बोला "यह तो हलवा है हलवा ! वाह! कितना मीठा है! कितना बढ़िया हलवा !" चींटी बोली- वाह! - खाकर मजा आ गया, गाजर का हलवा | तीनों एक साथ बोले "हम सबने बनाया गाजर का हलवा"।

शिक्षा- सब एक साथ मिलकर काम करे तो काम अच्छा होता है.

41# सुंदर पंख की कहानी

एक सुंदर चिड़िया एक कौए के पास पेड़ पर बैठी थी। चिड़िया कौए से बोली- "ओह! तुम्हारे पंख कितने रूखे और काले हैं।" इस पर कौए को गुस्सा आया।

चिड़िया फिर बोली- “अरे! मेरे कोमल, चमकीले, सुंदर पंख देखो। कितने अच्छे लगते हैं। तुम्हारे सख्त और कठोर पंख तो बिलकुल भद्दे लगते हैं।" तब कौआ गर्व से बोला- “भोली चिड़िया!

मेरे ये पंख मुझे सरदी गरमी से बचाते हैं। भयंकर ठंड पड़ने पर तुम्हारे ये सुंदर पंख तुम्हारी कोई सहायता नहीं करते। तुम ठंड में ठिठुरती हो, दुबकी बैठी रहती हो।

लेकिन मैं अपने इन्हीं रूखे और सख्त पंखों से उड़कर पेड़ों पर जा बैठता हूँ और मीठे-मीठे फल खाता हूँ। तो बताओ चिड़िया रानी ! ऐसे कोमल और सजावटी पंखों का क्या लाभ?" यह कहकर कौआ वहाँ से उड़ गया।

Silchar24.in

शिक्षा – कभी भी अपने सुंदरता में घमंड नहीं करना चाहिए.

42# घोड़ा और गधा की कहानी

एक धोबी के पास एक घोड़ा और एक गधा था। एक दिन, धोबी ने कपड़ों की भारी पोटली गधे की पीठ पर लाद दी। घोड़े के ऊपर कुछ नहीं लादा । गधे के ऊपर लदा बोझा काफी भारी था। उसने घोड़े से अनुरोध किया, "भाई! मैं इस बोझ के मारे मरा जा रहा हूँ कुछ बोझा अपने ऊपर ले लो।"

घोड़े ने साफ इन्कार कर दिया, "मैं क्यों तुम्हारा बोझा लादूँ ? घोड़े तो सवारी के लिए होते हैं, बोझा ढोने के लिए नहीं ।" गधा चलता रहा। कुछ देर बाद गधा बोझा नहीं सह पाया और गिर पड़ा। अब धोबी को अपनी गलती समझ में आई। उसने गधे को पानी पिलाया और सारा बोझा घोड़े के ऊपर लाद दिया। अब घोड़ा पछताने लगा।

वह सोचने लगा, "अगर मैंने गधे की बात मानकर उसका आधा बोझा अपनी पीठ पर ले लिया होता, तो मुझे पूरा बोझा लादकर बाज़ार तक इस तरह नहीं जाना पड़ता !"

43# आड़ू और सेब की कहानी

एक बगीचे में एक आड़ू और एक सेब आपस में बहस कर रहे थे। दोनों अपने आपको अधिक सुंदर बता रहे थे। दोनों अपनी बात पर अड़े थे।

उन्होंने निर्णय के लिए खुली बहस करने का निश्चय किया। दोनों फलों के बीच तीखी बहस होने लगी। बगीचे के सारे फल उनकी बातें सुन रहे थे। तभी पास की झाड़ी से एक काली बेरी ने अपना सिर उठाया और चिल्लाकर बोली, "तुम लोगों की बहस बहुत हो चुकी है।

Sikhar24.in

हमें नहीं लगता कि तुम लोगों का फैसला हो पाएगा। इस बहस से कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। अपने मतभेद भुलाकर हाथ मिलाओ और फिर से दोस्त बन जाओ। शांति से रहने का यही एक तरीका है।

शिक्षा- ऊँचे स्वर में झगड़ने से कोई लाभ नहीं होता।

44# गरजने वाला गधा की कहानी

जंगल में रहने वाला गधा एक दिन शेर का वेश धारण कर जंगल के जानवरों को परेशान करने निकल पड़ा। सभी जानवर गधे को शेर समझकर डर गए और उसे नमस्कार करने लगे। कुछ देर बाद गधे का सामना एक लोमड़ी से हुआ। शेर रुपी गधा जोर से रेंका परंतु लोमड़ी पर कोई असर नही पडा।

बल्कि लोमड़ी दिल खोलकर हंसते हुए बोली, "मैं तुम्हारी असलियत समझ गई हूं, इसलिए तुमसे डरने का कोई मतलब नहीं।" लोमड़ी की बात सुनकर गधा सिर झुकाकर आगे बढ़ गया। शिक्षा - नाम बदलने से असलियत नहीं बदलती.

45# शेर का घमंड की कहानी

एक बड़े से जंगल में शमशेर नाम का एक बड़ा और ताकतवर शेर रहा करता था। उसकी ताकत और तेज दहाड़ से जंगल का हर एक जानवर उससे डरता था। शेर जंगल का राजा था और उसे इस बात का बहुत घमंड था।

उसे लगता था की वो जंगल में जो चाहे वो कर सकता है। एक दिन शहर का राजा जंगल में घूमने निकला। घूमते घूमते वो शेर एक राज्य की तरफ आ गया। वहां उसने देखा की उस राज्य के राजा एक बड़े से हाथी पर आसान लगा कर अपने राज्य के चक्कर लगा रहा है। उसे देख कर शेर के मन में भी हाथी पर आसन लगाकर बैठने का उपाय सुझा ।

Silchar24.in

शेर जंगल की तरफ वापिस आ गया और उसने जंगल के सभी जानवरों को बताया और आदेश दिया कि हाथी पर एक आसन लगाया जाए। बस क्या था, शेर ने जैसे ही आदेश किया झट से जंगल के सबसे बड़े हाथी पर आसन लग गया।

शेर उछलकर हाथी पर लगे आसन मैं जा बैठा। और अपनी तेज दहाड़ के साथ उसने हाथी को चलने के इशारा दिया। हाथी जैसे ही आगे की ओर चला, तो हाथी के चलने की वजह से आसन जोर जोर से हिलने लगा और थोड़ा आगे जाने के बाद शेर धड़ाम से उस आसन से नीचे गिर गया। शेर के नीचे गिरते ही सारे जानवर जोर जोर से हंसने लगे।

शेर की एक टांग भी टूट गई और फिर शेर खड़ा होकर कहने लगा – लगा– इससे अच्छा तो पैदल चलना ही ठीक होता है।

शिक्षा – दूसरों की नक़ल करने से कभी कभी अपना ही नुकसान हो जाता है इसलिए तो कहते हैं जिसका काम उसी को साजे ।

46# बिल्ली और भेड़िया की कहानी

एक बार बिल्ली और भेड़िया आपस में बात चित कर रहे थे की कैसे जंगली कुत्ते कितने निर्दयी और बदमाश है बात चित में भेड़िया ने बिल्ली से जानना चाहा की कैसे वो जंगली कुत्तो को सामना करती है, बिल्ली चालाक थी इसलिए बिल्ली ने कहा की आप बड़े हो आप अपने कुछ गुरु मंत्र बताइये।

भेड़िया यह सुन के बड़ा खुश हुआ और उसने बिल्ली को बोला मेरे पास बहुत सारे तरीके है जैसे की घनी झाड़ियों के पीछे लकड़ियों की टोह लेके गोद में छुपके। इसी बिच दोनों ने जंगली कुत्तों के एक झुण्ड को अपनी तरफ आते देखा बिल्ली ने तुरंत भेडिया को बोला मुझे तो सिर्फ एक टोटका आता है और वह मैं उपयोग करने जा रही हु ।

यह बोल के वह तुरंत पेड़ के टहनी के सहारे पेड़ पे चढ़ गयी सारे जंगली कुत्तों ने भेड़िया को घेर के उसको मार डाला।

Sichar24.in

कहानी से सीख - एक काम को अच्छे से जानना ज्यादा बेहतर है इसकी बजाय की आप हर काम को आधा आधा जानते है.

यदि आपको Silchar24.in वेबसाइट पसंद है तो इसे अन्य सोशल मीडिया (Facebook) में फॉलो अवश्य करे.

Silchar24.in